

SUMMARU TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998  
IN THE COURT OF A.K. Gupta, JMFC Gohad Dist Bhind (M.P.)

Case No. 241/17

Complaint or report made on .....

Name and address of the Complainant.....

श्री. का. गुप्ता  
मार्गिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
बिन्दर पट्टा  
241/050 5185

Name, parentage, caste and address of accused

① उदय बोर 510 हरि हिंदु जाट 45 वर्ष R10 चमेरी  
PS में निवास

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आप पर आरोप है कि दिनांक 8-10-17 मुकाम  
श्री. का. गुप्ता, बिन्दर पट्टा पर बिना वैध अनुज्ञप्ति के अपने  
आधिपत्य में 22 लीटर/पाव/बोटल देशी शराब विक्रय/परिवहन हेतु रखी।  
ऐसा करके आपने आबकारी अधि 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय  
अपराध कारित किया।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो।

34पकी2

The plea of the accused and his examination (if any)

अपराध स्वीकार है। न्यून दण्ड से दण्डित करने का निवेदन है।

26/10/17  
श्री. का. गुप्ता  
मार्गिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
बिन्दर पट्टा

श्री. का. गुप्ता  
मार्गिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
बिन्दर पट्टा



// निर्णय //


(आज दिनांक 36-10-17 को घोषित)

01. अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय अपराध का अभियोग है। संक्षिप्त विचारणीय होने से समरी सीट पर अपराध विवरण पढ़कर सुनाये एवं समझाये जाने पर अभियुक्त ने स्वेच्छापूर्वक जुर्म/अपराध स्वीकार करना व्यक्त किया।

02. संक्षिप्त विचारण किया गया। अतः अभियुक्त की स्वेच्छापूर्वक स्वीकारोक्ति के आधार पर आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत आरोपी को दोषी ठहराया जाता है। उसकी पूर्व दोषसिद्धि के संबंध में अभिलेख पर कोई तथ्य मौजूद नहीं है।

03. अभियुक्त को आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत न्यायाल उठने तक की अवधि तक की सजा एवं रुपये 500 शब्दों में पाँच सौ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अर्थदण्ड न पटाये जाने पर 07 का साधारण कारावास की सजा भुगतायी जावे।

04. जप्तशुदा सम्पत्ति 22 लीटर/पाव/बोतल 2500 शराब मूल्यहीन एवं मानव उपयोग हेतु हानिकारक होने के कारण अपील अवधि पश्चात् नियमानुसार नष्ट की जावे। अपील करने के लिए गान० अपील न्यायालय के आवेदक का

  
महेश्वर गुप्ता  
महेश्वर गुप्ता  
महेश्वर गुप्ता